

# the pioneer

LUCKNOW, MONDAY OCTOBER 9, 2017;

## India lagging far behind in innovation: Balaguruswamy

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

Noted academician, author of several world class books in Computing, Prof. E Balaguruswamy (Former V-C, Anna University, Chennai) while inaugurating the two-day National Conference on 'Information Technology for Innovative Business Practices' at the School of Management Sciences (SMS) campus here on Saturday as the chief guest exhorted the youth of the country to come forward and innovate to make the country move faster towards 'developed' category shedding the seven decade old 'developing' tag.

Addressing a gathering of over a hundred participants from various parts of the country here, he said that Innovation is a part of life, those who could not have disappeared. He was actually citing the state of affairs of the Indian education and brought out the fact that even the pioneer universities of India like of Bombay, Calcutta and Madras are not there in the top-notch world Institutions list. It happened because they did not innovate, he added. Citing further, he said that on almost all socio-economic parameters,



Journal being released during NCON at SMS in Varanasi on Saturday *Pioneer*

India is lagging far behind and this is true because India lacks Innovation. We do not create engineers or managers or lawyers or doctors but only graduates, this is the apathy of higher education in the country, added the chief guest.

In case of absence of creativity and innovation, India is likely to remain 'developing' for the next three to four decades, he added. We also need to create people with competence and character. India can be developed by only students and teachers, not by politicians, he said. Further, our innovation and that too IT-enabled must produce goods and services for

the benefit of the common man or the society at large. He cited few examples of Tirupur, Sivakasi and Coimbatore in Tamil Nadu where traditional business have disappeared because of lack of innovation and Chinese and Malaysian products have flooded the market place! He added, today Data is the most useful resource for everyone and everyone should have the curiosity and idea to use it in the most productive way.

The guest of honour of the conference, Dr Lalit Kumar Singh (Senior Scientist, BARC-Mumbai) highlighted the fact how conference platforms can

be used to discuss Research and Innovations which need to have societal impact. Earlier, the Director of SMS-Varanasi, Prof PN Jha (also the Conference Director) welcomed the guests. The conference convener, Prof KS Mishra presented the theme, while the vote of thanks for the inaugural session was presented by the organising secretary SS Srivastava. Dr Pallavi Pathak conducted the inaugural session.

On this occasion, the conference souvenir and the 24th issue of the institute's pioneer international research journal 'Management Insight' were released. Later the guests were honoured by Prof PN Jha by shawl and memento.

The two-day event is witnessing around 50 paper presentations on contemporary issues related to conference themes. The valedictory guest would be Prof SK Kak (Former V-C, MMTU-Noida) on the second day. On this occasion, the Registrar Sanjay Gupta, Dean (R&D) Prof Alok Kumar and members of the organising committee were also present apart from some students from different universities and colleges around India.

# दैनिक जागरण

वाराणसी, 12 अक्टूबर 2017

## नवप्रवर्तन से ही परिवर्तन संभव

वाराणसी : आजादी के 70 वर्ष बाद भी देश विकासशील की श्रेणी में है। इससे बाहर निकलने के लिए नवप्रवर्तन की जरूरत है। नए विचारों व शोध के बदौलत ही हम परिवर्तन ला सकते हैं। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी फॉर इनोवेटिव विषयक पर आयोजित दो सम्मेलन में ये बातें मुख्य अतिथि अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई के पूर्व कुलपति बाला गुरु स्वामी ने कही। विशिष्ट अतिथि भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक डा. ललित कुमार सिंह ने कहा कि विकास करने के लिए हमें इनोवेशन का महत्व समाज के निचले तबके तक पहुंचाना होगा। स्वागत व धन्यवाद ज्ञापन सम्मेलन निदेशक प्रो. पीएन झा ने किया। सम्मेलन में कमल शील मिश्रा, डा. पल्लवी पाठक, शंभू शरण श्रीवास्तव सहित लोगों ने विचार व्यक्त किया।

# दैनिक जागरण

**inext**

Varanasi, 10 October 2017

## नवप्रवर्तन जीवन का है महत्वपूर्ण अंग

**VARANASI (9 Oct.):** स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज वाराणसी में इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी फॉर इनोवेटिव बिजनेस प्रैक्टिसेज विषयक दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का सोमवार को इनाॅगरेशन हुआ. चीफ गेस्ट अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई के एक्स वीसी प्रो. ई बालागुरुस्वामी ने

कहा कि देश स्वतंत्रता के सात दशक के बाद भी डेवलपिंग कंट्री ही है और अगले तीन-चार दशकों तक इसी वर्ग में रहने की प्रबल संभावना है. विशिष्ट अतिथि भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर के साइंटिस्ट डॉ. ललित कुमार सिंह रहे. डायरेक्टर प्रो. पीएन झा ने स्वागत

व संयोजक प्रो. कमलशील मिश्र ने सम्मेलन का सार प्रस्तुत किया. डॉ. पल्लवी ने संचालन व शंभू शरण ने धन्यवाद दिया. स्मारिका व रिसर्च जर्नल मैनेजमेंट इन्साइट के 24वें अंक का लोकार्पण किया गया. रजिस्ट्रार संजय गुप्ता, प्रो. आलोक कुमार आदि उपस्थित रहे.

# हिन्दुस्तान

रविवार, 08 अक्टूबर 2017, वाराणसी,

## नवप्रवर्तन से होगा शिक्षा का विकास

वाराणसी। विश्व के सर्वोच्च 200 विश्वविद्यालयों में भारत की एक भी यूनिवर्सिटी नहीं है। शिक्षा के विकास के लिए नव प्रवर्तन आवश्यक है।

ये बातें पंडितपुर स्थित एसएमएस में 'इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी फॉर इनोवेशन

बिजनेस प्रैक्टिसेस' विषय पर आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन के मौके मुख्य अतिथि अन्ना विश्वविद्यालय चेन्नई के पूर्व कुलपति प्रो. ई बालागुरु स्वामी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था में नवाचार की जरूरत है।

# आमर उजाला

शुक्रवार, 13 अक्टूबर 2017

## व्यावसायिक गतिविधि

### एसएमएस में इनोवेटिव बिजनेस पर सम्मेलन



वाराणसी। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन अन्ना विवि, चेन्नई के भूतपूर्व कुलपति प्रो. ई.

बालागुरुस्वामी ने किया। सम्मेलन का विषय 'इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी फार इनोवेटिव बिजनेस प्रैक्टिस' था। इस अवसर पर श्री बालागुरुस्वामी ने प्रतिभागियों से कहा कि हमारे देश को नवीनता की आवश्यकता है। 'डेवलपिंग कंट्री' के तमगे को हटाकर अब आगे बढ़ने और परिवर्तन की जरूरत है। उनके कथन का समर्थन करते हुए भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ललित कुमार सिंह ने नवप्रवर्तन जीवन का प्रमुख भाग है। सम्मेलन में प्रो. पीएन झा, पल्लवी पाठक, शंभू शरण श्रीवास्तव, कुलसचिव संजय गुप्ता, प्रो. आलोक कुमार आदि मौजूद थे। अंत में संस्थान के शोध जनरल 'मैनेजमेंट इंसाइट' के 24वें अंक का लोकार्पण किया गया।